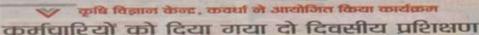
## **APRIL 2018 TO MARCH 2019**

## **NEWS PAPER COVERAGE 2018-19**





### पश्चिम कवर्धा

### उक्काल की कार्या विक्र

### किष विज्ञान केन्द्र में गाजर घाँस जागरूकता दिवस मना

निरीक्षण कर किसानों को विभिन्न

## बायर कंपनी रायपुर के तीनियर एखोनोंनी मैनेगर सेंट्रल इंडिया एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक रहे उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों ने धान की बीमारी का किया निरीक्षण

हुचे इस वेडरेनचे वर टेन दिसमें इतिहा क्षेत्रे जिल्ली क्षेत्र वेक्षतिक क्रवेशका क र्वनीयम् में एवं प्रार्थम् कृति विवता card other in facts one of February हर में शनित हो। सब ही शब अहत ही हार करने एका के बोरिया एकेकी नेता सेट्रान प्रवेच एवं प्रयोग तित योग क्षेत्र वेशान्त्र एक्ट्र चे महिला के उन्हेंने मामाईद पंत्रीय के इस क्षेत्र अंतर्गत इस पांच पुर में कई किसारे के खेते हैं. मान क्या वाही पर इतिहा कर केर दम कार्य के धार में कर बांक पूर्व के लाभार 200 एक है. खमारिया में 25 एक है. में ग्रीहरू है है है एक एवं एक और है. क्षा के हैंगा के इस के उनके प्राची के प्राची है.



क्षेत्रीय है जे सक्ताम करें अपने अध्यक्ष के कार मा संबंधित करें हैं से साम के किए हैं है कि कार के में किए कि में किए कार साम कि मा

बराज कि पार्ट से कियान और सीच इसके about at forme at pack from the संबंधन अध्यक्ष दुन्तेका बोह्रकर, प्राप क्षेत्र ह सम्पर्धत चंद्रकर, चरेन में ही बतर्बत चंद्रकर प्रदेश नेहारत, सामीन में अपन नेहारत कारी सेनिए से जिसके पंडावर एवं अनित प्रकृत प्रयोगात से जिन्होंने हुए से अहीत एक पन में होने वाले इस पंचल क्षेत्राते के को में जनकारे प्राप्त किया एवं उनके

कारात के बात होने में का बीपाई बात की

रायपुर, शनिवार, २६ मई २०१८

## कृषि वैज्ञानिकों ने धान की बीमारी का किया निरीक्षण



नवभारत प्रतिनिधि । कुंडा.

कृषि वैज्ञानिकों की टोम ने कृण्डा क्षेत्र अधिकारी पंडरिया से दिलीप साह में धान की ओमारी का शनिवार को , बायर कंपनी रायपर के सीनियर लोकल धान में वह बोमारी नहीं पाषा वताए गए उपाय को समझा

एकोनॉमी मैनेजर सैटल इंडिया एवं गया है.वैज्ञानिकों ने जांच उपरांत प्रवीण सिंह वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक अताया कि यह बेक्टेरिया इफेक्टेड है रायपुर शामिल वे. उन्होंने विकासखंड जो वातावरण में बढ़े तापमान के कम पंडरिया के कंडा क्षेत्र अंतर्गत ज्ञाम होने से यह बीमारी धान को भरेवा पुरन में कई किसानों के खेतों में सामान्यतया कोई श्रति पहुंचाए बिना ही जाकर बायर हाइब्रिड धान 8433 डी स्वमेव समाप्त हो जाता है .कृषि टी बायर कंपनी के धान में ग्राम भरेवा वैज्ञानिक राजेश दबे ने बताया कि पुरन में लगभग 200 एकड़, खम्हरिया चाहे तो किसान अति शीध इसके में 25 एकड़ , ओडॉड़बरी में 12 एकड़ रोकथाम एवं निदान के लिए पवं प्राण खेरा में लगभग 50 एकड़ के स्टेप्टोसेकली एवं सीओसी का इस कंपनी के हाइब्रिड धान में वह छिड़काव कर इससे निजात पा सकते बीमारी पाया गया, जिसका नाम हैं . दुलेश्कर चंद्राकर, कासुदेख पेनिकल बैक्टीरिया है जो सामान्यतवा चंद्राकर, यशवंत चंद्राकर, प्रभात पानी गिरने के बाद एकाएक उमस भरी चंद्राकर, प्रदीप चंद्राकर, अतुल हापमान काफी अधिक हो जाने पर वह चंद्राकर, विजय चंद्राकर अनिल सबैया कृषि बैज्ञानिकों की टीम में डॉक्टर - बीमारी हाइब्रिड धान में पाया जाता है. - ने धान में होने वाले इस फंगल बीमारी धान में भी हो सकता है लेकिन यहां उनके रोकथाम हेत् वैज्ञानिकों के द्वारा

# मत्स्य पालकों को

हरिभूमि क्यूम 🕪 कवर्धा

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवधां एवं प्रेरक समूह के संयुक्त तत्वाधान में कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में एक दिवसीय मत्स्य पालक कृषक प्रशिक्षण सह संगोधी का आयोजन गत दिनो किया गया है। जिसमें मतस्य पालक को मछली पालन के विषय में जानकारी प्रदान की गई, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बीपी त्रिपाठी ने कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख गतिविधियों एवं मछली पालन का कृषक की आय दुगुनी करने में कैसे कारगर सिद्ध होगा यह बताया कुमारी मनीषा खापडें, विषय वस्तु विशेषज्ञ, मातस्थकी ने पालने

बताते हुए मिश्रित मछली पालन की सम्पूर्ण जानकारी कृषको को दी। डॉ. ह्यानांदा. प्राध्यापक, मार्तस्यकी महाविद्यालय कवर्घा ने मछली में होने वाले प्रमुख विमारियों एवं निदान के विषय में सहायक प्राध्यापक. महाविद्यालय, कवर्धा ने समन्वित मछली पालन विषय में कृषकों से चर्चा से प्रशिक्षण के अंत में कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण जिसमें उन्होंने समन्वित मळली पालन प्रणाली के अंतर्गत मछली सह-बत्तख पालन ईकाई अवलोकन किया प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 से अधिक कृषक उपस्थित थे।